Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३१ अंक-९-१० प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ मई- ३१ मई २०२३ (संयुक्तांक) पृष्ठ १२ मूल्यः२० रु.मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

देश में पहली बार गरीबों को सुरक्षा भी मिली है और सम्मान भी-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी २६ अप्रैल, २०२३ को नई दिल्ली में रिपब्लिक समिट को संबोधित करते हुए।

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित होटल ताज पैलेस में रिपब्लिक समिट को संबोधित किया। दिनांक २६.०४.२०२३ को सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने रिपब्लिक समिट का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया और पूरी टीम को अगले महीने ६ वर्ष पूरे होने की बधाई दी। वर्ष २०१६ में 'भारत का क्षण' विषय के साथ रिपब्लिक समिट में अपनी भागीदारी को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसकी पृष्ठभूमि में जनता से मिला जनादेश था जब लोगों ने लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत वाली स्थिर सरकार को चुना था। प्रधानमंत्री ने कहा, "देश ने यह महसूस किया कि भारत का क्षण अब आ गया है। इस वर्ष के विषय 'बदलाव का समय' पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग अब उस बदलाव को जमीन पर देख सकते हैं जिसकी कल्पना ४ वर्ष पहले की गई थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि २०१४ के बाद वर्तमान सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों में शुरुआती लाभों के अलावा दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों पर भी ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत लोगों को सौंपे गए घरों की संख्या पिछले ४ वर्षों में १.५ करोड़ से बढ़कर ३.७५ करोड़ से अधिक हो गई है, जबकि इन घरों का मालिकाना हक महिलाओं के नाम पर है। उन्होंने इस बात अपर संतोष व्यक्त किया कि करोड़ों गरीब महिलाएं अब 'लखपति दीदी' बन गई हैं, क्योंकि इन घरों के निर्माण की लागत कई लाख है। प्रधानमंत्री ने इस तथ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि इस योजना ने रोजगार के कई अवसर सृजित किए। प्रधानमंत्री ने कहा, "पीएम आवास योजना ने गरीबों और वंचितों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। मोदी ने कहा कि पिछले ९ वर्षों में दलित, वंचित, आदिवासी, महिला, गरीब, मध्यम वर्ग हर कोई बदलाव का अनुभव कर रहा है। देश मिशन मोड में व्यवस्थित कार्य का साक्षी बन रहा है।

भारतीय रेल ने वित्त वर्ष २०२२-२३ में दर्ज किया २.४० लाख करोड़ रूपये का राजस्व

पसूका/नई दिल्लीः भारतीय रेल ने वित्त वर्ष २०२२-२३ के लिये २.४० लाख करोड़ रूपये का रिकार्ड राजस्व दर्ज किया है। यह राशि इससे पिछले वित्त वर्ष में प्राप्त राजस्व के मुकाबले करीब ४९,००० करोड़ रूपये अधिक है जो कि २५ प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। वित्त वर्ष २०२२- २३ के दौरान माल भाड़ा राजस्व में भी जोरदार वृद्धि रही और यह १.६२ लाख करोड़ रूपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इसमें करीब १५ प्रतिशत की वृद्धि रही। भारतीय रेल का यात्री राजस्व भी इस दौरान अब तक की सबसे अधिक ६१ प्रतिशत वृद्धि के साथ ६३,३०० करोड़ रूपये पर पहुंच गया। भारतीय रेल तीन साल बाद अपने पेंशन खर्च का पूरा भुगतान करने में समर्थ रही है। राजस्व में अच्छी वृद्धि और सख्त व्यय प्रबंधन के चलते रेलवे में ९८.१४ प्रतिशत परिचालन अनुपात हासिल करने में मदद मिली है। यह अनुपात संशोधित लक्ष्य के दायरे में है। सभी तरह के राजस्व खर्च को पूरा करने के बाद रेलवे अपने आंतरिक संसाधनों से पूंजी निवेश के लिये ३,२०० करोड़ रूपये उपलब्ध कराने में सफल रही।

वहीं वर्ष २०२२-२३ में रेलवे ने ६,६५७ करोड़ रूपये के निवेश से ६,५६५ किलोमीटर रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण किया, इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान रेलवे १०० प्रतिशत विद्युती- करण लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। वंदे भारत ट्रेनों से रेलवे के समूचे तंत्र में संख्या तेजी से बढ़ी है।

वैगन की खरीद एक साल पहले के मुकाबले ७७.६ प्रतिशत बढ़कर २२,७४७ वैगन पर पहुंच गई। रेलवे की भार वहन क्षमता बेहतर बनाने और यात्रियों के लिये यात्रा को सुविधाजनक बनाने के वास्ते ४४,२९१ करोड़ रूपये का आधुनिक रेलवे साजो सामान खरीदा गया।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन का दस्तक अभियान

साभारः हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने दस्तक अभियान के तहतसंग् ठन की अध्यक्षा भारती शर्मा के नेतृत्व में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया । दिनांक २७ अप्रैल, २०२३ को पटना के स्लम क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं के मध्य सेनिटरी पैड का वितरण किया गया और उसके उपयोग के बारे में आवश्यक जानकारी दी गयी । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की संयुक्त सचिव संतोषी, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनीता एवं प्रीति कुमारी भी उपस्थित थीं ।

प्रदेश से अब जातिवाद और भाई-भतीजा वाद खत्मः सीएम योगी

रे.स.ब्यू./सूत्रःरायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सपा और कांग्रेस पर बिना नाम लिए जमकर निशाना साधा। दिनांकः २५.०४.२०२३ को उन्होंने कहा कि यह वही प्रदेश था, जहां जातिवाद और भाई-भतीजा वाद के नाम पर युवाओं को नौकरी मिलती थी। अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। इसलिए जरूरी है कि नगर निकाय चुनाव में पार्टी के दावेदार जिताएं, ताकि ट्रिपल इंजन की सरकार होने पर और विकास हो सके। मुख्यमंत्री ने इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पद की प्रत्याशी शालिनी कनौजिया और नौ नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के दावेदारों को चुनाव जिताने की अपील की । प्रदेश से जातिवाद और भाई-भतीजा वाद समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि छह साल पहले अपराधी, माफिया चलते थे तो सड़कें सूनी हो जाती थी। आज वही अपराधी और माफिया गले में तख्ती टांगकर अपनी जान की भीख मांगते हैं। कोई अब व्यापारियों से रंगदारी नहीं मांगता है। मुख्यमंत्री मंगलवार को शहर के जीआईसी मैदान में नगर निकाय चुनाव में एक नगर पालिका और नौ नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के दावेदारों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छह साल में प्रदेश बदल गया है। दुनिया में देश और प्रदेश का नाम रोशन हो रहा है। विदेशों में कोई त्रसदी आती है तो वह देश भारत की तरफ देखता है और कहता कि भारत उसकी मदद जरूर करेगा। जिले की प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला, राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह, सदर विधायक अदिति सिंह, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी मौजूद रहे।

महाप्रबंधक ने निरीक्षण कर लिया अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यो का जायजा

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार ने प्रमुख मुख्य इंजीनियर शिरीष केसरवानी, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ए. एस. झा, मंडल रेल प्रबंधक/ प्रयागराज मंडल हिमांशु बडोनी सहित प्रयागराज मंडल एवं गतिशक्ति यूनिट के अन्य अधिकारियों के साथ दिनांक २५ अप्रैल २०२३ को प्रयागराज मंडल के अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत चयनित स्टेशनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने खुर्जा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, इटावा, टूंडला, पनकी धाम, गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशन का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम खुर्जा स्टेशन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने खुर्जा स्टेशन पर चल रहे निर्माणाधीन फुटओवर ब्रिज की प्रगति का जायजा लिया एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किस प्रकार से खुर्जा स्टेशन विकसित किया जाना है उसकी योजना को विस्तार पूर्वक समझा एवं स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में महाप्रबंधक ने अलीगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। स्टेशन पर होने वाले रिडेवलपमेंट कार्य के दृष्टिगत किए गए इस निरीक्षण में महाप्रबंधक ने सिटी साइट एवं सिविल लाइन साइड निरीक्षण किया और रिडेवलपमेंट कार्य की योजना को बारीकी से समझा। इस दौरान उन्होंने सिविल लाइन साइड की ओर से प्लेटफार्म संख्या ०१ पर आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए सबवे के निर्माण एवं आम जनता की सुविधा के लिए स्टेशन के सामने वाली सड़क को एलिवेटेड तरीके से बनाने की बात कही। इसके बाद महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत चयनित टूंडला फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद स्टेशनों का भी निरीक्षण किया तथा सभी विभागों को समन्वित रूप से स्टेशन के विकास की प्लानिंग के निर्देश दिए। इसी क्रम में महाप्रबंधक ने इटावा रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इटावा स्टेशन पर किए जाने वाले विकास कार्यो की योजना को विस्तृत रूप से समझा और स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर रेल यात्रियों से फीडबैक भी लिया एवं मीडिया कर्मियों से बात करते हुए महाप्रबंधक ने बताया कि इटावा रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया जाना है इसकी प्लानिंग की जा रही है। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि इटावा से ग्वालियर के मध्य एक नई मेमू सेवा की स्वीकृति मिल गई है और यात्रियों की सुविधा के लिए शीघ्र ही इस ट्रेन का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में महाप्रबंधक ने पनकीधाम, गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के इसी क्रम में महाप्रबंधक ने गाजियाबाद से प्रयागराज के मध्य विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक द्वारा निरीक्षण यान की पिछली खिड़की से ट्रैक का निरीक्षण किया गया। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण एक विशेष प्रकार का निरीक्षण होता है जिसमे रेल पथ एवं उसके पास के सभी इंस्टालेशनो जैसे सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म इत्यादि का चलती हुई गाड़ी मे लगे निरीक्षण यान की पिछली खिड़की से निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान मार्ग मे पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं, राइडिंग क्वालिटी विशेष तौर से प्वॉइंट एवं क्रॉसिंग पर ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स मे सुधार, ओएचई की स्थिति, मार्ग के लेवल क्रॉसिंग गेटों की स्थिति, मार्ग में आने वाले माइनर व मेजर ब्रिज, ट्रेक के किनारे बन रहे बाउंड्री व ल को स्थिति, रोड ओवर ब्रिज तथा रोड अंडर ब्रिज आदि का महाप्रबंधक द्वारा अवलोकन किया गया।

> हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
>
> डॉ जाकिर हुसैन

६६ वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रिकेट प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने फाइनल मैच जीतकर हासिल किया गोल्ड मेडल

रे.स.ब्यू./सूत्र:बिलासपुर: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने रेलवे खेलकूद संवर्धन बोर्ड की स्थापना के ६५वें वर्षगांठ पर आयोजित ६६ वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। यह प्रतियोगिता दिनांक १० से २२ अप्रैल' २०२३ तक आयोजित किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की इस विजेता टीम में १६ खिलाड़ी शामिल थे। टीम के मुख्य प्रशिक्षक भूपेन्द्र पाण्डेय सहायक प्रशिक्षक एम. हक तथा टीम के कप्तान शिवेंद्र सिंह थे । ६६ वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रिकेट प्रतियोगिता में अलग-अलग रेलवे के कुल २८ टीमों ने भाग लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने क्वार्टर फाइनल में ईस्ट कोस्ट, भूबनेश्वर की टीम, सेमीफाइनल में दक्षिण पश्चिम रेलवे की टीम तथा फाइनल मैच में उत्तर रेलवे, दिल्ली की मेजबान टीम को उन्ही के मैदान पर भारी अंतरो से एकतरफा मात देकर गोल्ड मेडल हासिल किया ।

इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ी मोहित राऊत ने बेस्ट बालर का खिताब जीता। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हमेशा से खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। इसी का परिणाम है कि इन सभी खिलाड़ियों ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का नाम रोशन किया है दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों एवं टीम प्रबंधन को उनके शानदार प्रदर्शन एवं उपलब्धि पर महाप्रबंधक आलोक कुमार एवं अधिकारियों द्वारा बधाई एवं शुभकामनायें दी गई ।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

उत्तर मध्य रेलवे के चिकित्सकों ने इन हाउस सर्जरी कर की रु १६,७२८,२२६/- की बचत

साभारः उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक सतीश कुमार के मार्गदर्शन में अपने कर्मचारियों की सुविधा के लिए निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे के केंद्रीय चिकित्सालय के सर्जरी संबंधी विभागों (ऑर्थोपेडिक्स एवं जनरल सर्जरी) ने प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जे पी रावत एवं चिकित्सा निदेशक डॉ एस के हाण्डू मार्गदर्शन मे कीर्तिमान स्थापित किया है। इसमें ऑर्थोपेडिक्स विभाग में कुल ६०० आपरेशन किये गये जिसमें ७२ मेजर एंव १७ स्पेशल अ परेशन शामिल है। यह रिकार्ड डॉ एस.एस.नायक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्थापित किया गया। यह आज तक उत्तर मध्य रेलवे में किसी एक ऑर्थोपैडिक सर्जन के द्वारा किसी भी एक वित्तीय वर्ष मे किये गये ऑपरेशनो का रिकार्ड है। इस अवधि के दौरान ओ पी डी मे ११३१४ मरीज भी देखे गये, जिसमे ६५४७ पुरुष एंव ४७६७ महिला शामिल हैं। इसमें वित्तीय वर्ष २२-२३ में कुल रु. ८४,२५,८३३६(CGHS रेट पर) की केवल मेजर, माइनर और स्पेशल सर्जरी की गयी। इसी क्रम में अस्पताल के सामान्य सर्जरी में भी कुल ६३२ आपरेशन किये गये जिसमें ३४६ मेजर एंव १० स्पेशल अ परेशन शामिल है। ये ऑपरेशन डॉ संजय कुमार वरीष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा किए गए है। इसके माध्यम से वित्तीय वर्ष २२-२३ कुल रु. ७८,८१,६५०/- (CGHS रेट पर) की केवल मेजर और स्पेशल सर्जरी की गयी (इसमें माइनर सर्जरी का मूल्य शामिल नहीं है) और वित्तीय वर्ष मे रु. ४,२०,४४६/- की रेलवे मरीजो की भी सर्जरी की गयी इस तरह रेलवे का रु. ८३,०२,३६६ की राजस्व की बचत की गयी। इससे ना केवल इस प्रकार वर्ष में, कुल रु १६,७२८,२२६/- की बचत हुई बल्कि रेलवे चिकित्सालय के लाभार्थियों को भी जटिल ऑपरेशनों की सुविधा मिल सकी।

उत्तर मध्य रेलवे की टीम बनी अखिल भारतीय अंतर जोनल रेलवे महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में उपविजेता

साभारः अखिल भारतीय अंतर जोनल रेलवे महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में उपविजेता रही उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने महाप्रबंधक सतीश कुमार से मिल कर, उनको अपने परफॉर्मेंस के बारे में अवगत कराया। ज्ञात हो कि, पी. एल. डब्ल्यू पटियाला में आयोजित ३३ वी अखिल भारतीय अंतर जोनल रेलवे महिला क्रिकेट प्रतियोगिता वर्ष २०२२-२३ में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उत्तर मध्य रेलवे की स्थापना के बाद से जोन की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। फाइनल मुकाबले में उत्तर मध्य रेलवे की टीम कड़े मुकाबले में उत्तर रेलवे से हारी। टीम ने प्रतियोगिता के दौरान प्रतिष्ठित पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे और सेमी फाइनल में दक्षिण मध्य रेलवे को हराया था।इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने टीम को बधाई दी और आगे भी इसी प्रकार से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खेल को सदैव पूरे जज्बे के साथ ही खेल भावना के साथ खेलने की बात भी कही। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष ए के अग्रवाल ने भी खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन की जानकारी ली और कहा कि, टीम को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा उन्होंने भविष्य के लिए अच्छे खेल के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर महाप्रबंधक ने सभी खिलाड़ियों को पदक पहनाया और वर्तमान वर्ष में सेवानिवृत हो रही टीम की मैनेजर अर्चना मिश्रा को उनकी सेवाओं के दृष्टिगत पुष्प गुच्छ एवं मेमेंटो प्रदान किया ।

इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के उपाध्यक्ष अभिजीत सिंह, कोषाध्यक्ष विष्णु बजाज, महासचिव हिमांशु शेखर उपाध्याय भी उपस्थित रहे। इस टीम ने मैनेजर - अर्चना मिश्रा , कोच - हेमलता काला, एवं सहायक कोच नीतू डेविड के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता के लिए तैयारी की।

इस टीम में अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी कप्तान एकता बिष्ट एवं पूनम यादव सहित, शिबा कोठारी, अनीता लोधी, दीपाली शर्मा, तनु काला, क्षमा सिंह, आरुषि गोयल, सुष्मिता नेगी, श्वेता माने, भावना गोपालानी, स्वाति, मृदुलता, रेणुका शामिल रही।

महाप्रबन्धक सतीश कुमार ने ०५ रेल कर्मचारियों को प्रदान किए संरक्षा पुरस्कार

रे.स.ब्यू./सूत्रःमहाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार द्वारा प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, मनीष कुमार गुप्ता एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में दिनांक १८.०४.२०२३ को संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित ०५ रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में चन्दन साहू, वरि.खण्ड अभियन्ता/धौलपुर/आगरा मण्डल, राम लखन, ट्रैक मेंटेनर, नैनी/प्रयागराज मण्डल, चन्द्रवीर मीणा, वरि. टेक्नीशियन/कै एवं वै/झांसी/झांसी मण्डल, हेमन्त राजौरिया, टेक्नीशियन/कै एवं वै/झांसी/झांसी मण्डल एवं अभिषेक राज, स्टेशन मास्टर/मैथा/प्रयागराज मण्डल शामिल हैं। अभिषेक राज, को माह मार्च, २०२३ के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। अभिषेक राज दिनांक २१.०३.२०२३ को मैथा ००-०८ की पाली में कार्यरत थे तो गाड़ी सं. १५६५८ से आल राइट सिगनल का आदान प्रदान करने के दौरान इंजन से १४वें कोच में हैवी ब्रेक बाइडिंग देखी। इन्होंने तुरंत वाकी-टाकी से लोको पायलट एवं गार्ड को सूचित किया और ओएचई आफ कराकर गाड़ी को रूकवाया। गाड़ी मैथा व रूरा स्टेशन के मध्य किमी सं. १०५१/२५ पर खड़ी हुई।

चेक करने पर पाया गया कि ब्रेक शू में आग लग गई है जिसे अग्निशामक यंत्र का प्रयोग कर आग पर काबू पाया गया। इस प्रकार इनके द्वारा त्वरित कार्यवाही कर एक संभावित बड़ी दुर्घटना को रोका गया।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की १३२वीं जयंती समारोह आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रयागराज मण्डल के सभागार में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की १३२वीं जयंती समारोह का आयोजन दिनांक: १७.०४.२३ को मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मण्डल, हिमांशु बडोनी की अध्यक्षता में किया गया किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मण्डल हिमांशु बडोनी ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजली अर्पित की। तत्पश्चात अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/जनजाति के जोनल कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबंधक/इन्फ्रा नवीन प्रकाश ,अपर मण्डल रेल प्रबंधक सामान्य संजय सिंह, मण्डल रेल प्रबंधक परिचालन अजय कुमार राय, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, मनीष कुमार खरे सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों, अखिल भारतीय अनुसूचित जाति६ जनजाति के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। भारत रत्न, बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी के १३२वें जयंती समारोह के अवसर पर अपने सम्बोधन के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक महोदय ने कहा कि आज हम लोग बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के संघर्ष मय जीवन तथा उपलब्धियों को याद करते हुए, उनसे प्रेरणा प्राप्त करने के लिए उपस्थित हुए हैं। उन्होने कहा कि जिस प्रकार परमात्मा को जान लेने से कोई परमात्मा नही बन जाता है, ठीक उसी प्रकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन के बारे में जान लेने से उनके भीतर के बुद्धत्व को नही जाना जा सकताद्य उन्होंने आगे कहा की आज एक ऐसी क्रांती की आवश्यकता है जिसमें हम सभी अपने भीरत इश्वर को देखने के साथ साथ दुसरों के भीतर भी इश्वर देखे। इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य संजय सिंह ने कहा कि हम सभी को बाबा साहब के दिखाए गए मार्ग पर चल कर अपने विकास के साथ साथ अपने देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ मण्डल बिजली इंजीनियर/परिचालन राहुल त्रिपाठी एवं वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी एम के खरे ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/जनजाति के जोनल कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार, अतिरिक्त सचिव रमाशंकर, मण्डल अध्यक्ष त्रिदेव ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में प्रयागराज मण्डल के सभी शाखाधिकारी एवं कर्मचारिगन उपस्थित रहे।

घाटमपुर स्टेशन पर सेफ्टी सेमिनार का आयोजन

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी घाटमपुर स्टेशन पर सेफ्टी सेमिनार का आयोजन किया गया। उत्तर मध्य रेलवे झाँसी मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा घाटमपुर रेलवे स्टेशन पर दि.२१.०४.२३ को आयोजित सेफ्टी सेमिनार में संरक्षा विभाग के संरक्षा सलाहकार एस.बी. सिंह, अनिल कुमार दत्ता, स्टेशन अधीक्षक घाटमपुर ए.के चन्दौला, ट्रैफिक निरीक्षक सुमन कुमार, वरिष्ठ खंड अभियंता एस . के. साहू एंव जय बिहारी उपस्थित रहे । सेफ्टी सेमिनार के आयोजन में दि. २१.०४.२३ को रेलवे विभाग के ३५ कर्मचारियों ने भाग लिया । इस संरक्षा संवाद में संरक्षित ट्रेन संचालन तथा कैटल रन ओवर जैसे विषयों पर विस्तार से समझाया गया।

डिस्कनेक्शन/रीकनेक्शन मेमों के महत्व के बारे में जागरूक करने के अलावा इमरजेंसी आपरेशन, स्पेड न हो सावधानियों के बारे मे निंदेश दिये गये ओएचई मेंटेनेंस तथा शंटिंग के दौरान सतर्कता बरतने, समपार फाटक पर सतर्कता पूर्वक कार्य करने, प्वाइंट एंड क्रासिंग कार्य के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया तथा कर्मचारियों को इन विषयों पर जागरुक किया गया। इसके अलावा रेल गाड़ियों तथा रेल परिसर में आग से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के बारे में भी कर्मचारियों को विस्तार पूर्वक बताया गया ।

सम्पादकीय
जाति जनगणना की मांग

राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में हुई रैली में जाति जनगणना की मांग का मामला उठाया और उसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में जाति जनगणना करवाने की मांग दोहरा कर बहस को एक कदम आगे बढ़ा दिया। २०११ में जाति जनगणना का फैसला यूपीए सरकार के कार्यकाल में ही हुआ था जिसकी अगुआई कांग्रेस कर रही थी। कांग्रेस के इस तेवर को बीजेपी के उस रुख का जवाब माना जा रहा है, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले का फैसला आने के बाद बीजेपी नेताओं ने उनके मूल बयान को मोदी सरनेम तक सीमित न रखते हुए उसे पूरे ओबीसी समुदाय का अपमान बताना शुरू कर दिया था। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बीजेपी को अगर ओबीसी से इतना ही प्यार है तो वह उसे शब्दों तक सीमित न रखे और २०११ में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों को जल्द से जल्द सार्वजनिक कर दे। जाति जनगणना की मांग को कांग्रेस ने जिस तरह उठाया है, उससे साफ है कि वह न सिर्फ कर्नाटक विधानसभा चुनावों में बल्कि आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर विपक्षी एकता को मजबूती देने वाले एक कारक के रूप में भी इसका इस्तेमाल करने का मूड बना चुकी है। बहरहाल, इसे कांग्रेस का यू-टर्न भी कह लें तो इसमें संदेह नहीं कि कम से कम आज की तारीख में वह कास्ट सेंसस की विपक्षी दलों की मांग पर उनके साथ खड़ी दिख रही है। इससे बीजेपी की मुश्किल कुछ और बढ़ जाती है क्योंकि बिहार के तमाम राजनीतिक दलों के साथ खुद को इस मांग के पक्ष में दिखाने के बावजूद वह अपनी ही केंद्र सरकार से इसे स्वीकार नहीं करवा पा रही। लेकिन तमाम दल एक-दूसरे की परेशानी चाहे बढ़ाते-घटाते रहें, मुद्दे को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाना तब तक संभव नहीं होगा।

मंडल रेल प्रबंधक झांसी ने किया मुरैना, हेतमपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्रः झांसी मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष द्वारा झाँसी मंडल के सांक, सिकरोदा, हेतमपुर तथा मुरैना स्टेशन का सघन दौरा किया गया। दिनांकः २७.०४.२३ को हेतमपुर स्टेशन के निरीक्षण के दौरान उन्होंने जॉइंट्स तथा पॉइंट्स, पॉइंट बॉक्स, सिग्नल व टर्न आउट का संरक्षा मानकों को लेकर जायजा किया गया। इसके अतिरिक्त ट्रेक पर लगे स्लीपर की स्थिति, ओएचई की स्थिति, हाइट तथा निर्माणाधीन तीसरी रेल लाइन के विकास कार्य सहित सम्पार फाटक ४५२ का भी सघन निरीक्षण किया गया। सांक स्टेशन के निरीक्षण के दौरान आशुतोष सहित अन्य विभागाध्यक्ष द्वारा स्टेशन बिल्डिंग तथा उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया, माल गोदाम और उसके विकास संबंधी कार्य की समीक्षा की, मर्चेट रूम की उपलब्धता, लेबर रूम की व्यवस्था, एप्रोच रोड हेतु भूमि की व्यवस्था, सब-वे पर हाई मास्ट की व्यवस्था सहित नव निर्मित रेल आवासों का भी दौरा किया। मुरैना स्टेशन के निरीक्षण का उद्देश्य उक्त स्टेशन के "अमृत भारत स्टेशन योजना" के तेहत चयनित किये जाने के उपरान्त उच्चीकरण तथा उत्तरोत्तर विकास हेतु क्रमबद्ध योजना तैयार किया जाना रहा। निरीक्षण के दौरान आशुतोष ने स्टेशन पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का लिया जायजा तथा स्टेशन के आस-पास किये गए अतिक्रमण को त्वरित रूप से हटवाने के निर्देश दिए। उन्होने, अतिक्रमण और नियम विरुद्ध तरीके से संचालित दुकानों को लेकर नाराजगी जताई, जल्द से जल्द स्टेशन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के दिए निर्देश, माल गोदाम को दूसरी जगह सांक पर शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष के साथ मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) डी पी गर्ग, वरिष्ठ मंडल इंजिनीयर (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलिक म अभियंता अमित गोयल, वरिष्ठ मंडल इंजिनीयर (उत्तर) सुधीर कुमार, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता (कर्षण) मयंक शांडिल्य सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज त्रिपाठी, जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह सहित रेल पर्यवेक्षक एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

> राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
> सरदार वल्लभ भाई पटेल

राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के कार्यो की आकर्षक प्रदर्शनी आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय में यांत्रिक विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के कार्यो की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में यांत्रिक विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यो की सुरुचिपूर्ण प्रस्तुति की गई। महाप्रबंधक सतीश कुमार ने मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने कहा कि महाप्रबंधक सतीश कुमार ने मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने कहा कि हमारी रेलवे पूरी तरह हिंदी भाषी क्षेत्र में है, अतः हमें पूरी प्रतिबद्धता एवं दायित्व भावना के साथ अपने सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए और राजभाषा हिंदी के निरंतर प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में अग्रणी रेलवे की भूमिका निभानी चाहिए। महाप्रबंधक ने कहा कि गाड़ी परिचालन, प्रबंधन एवं अनुरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीक के समावेश के कारण अनुरक्षण आदि की कार्यविधि की भाषा में काफी परिवर्तन हुए हैं, अतः इसे ध्यान में रखते हुए यांत्रिक विभाग के सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्य निर्देश, अनुरक्षण एवं मरम्मत से संबंधित सभी निर्देश सरल एवं सहज हिंदी में जारी किए जाएं तथा उन्हें उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाए, ताकि वे आसानी से सुलभ हो सकें। महाप्रबंधक सतीश कुमार ने यांत्रिक विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो की सराहना की और इस कार्य को निष्पादित करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पन्द्रह हजार रूपए के पुरस्कार की घोषणा की। इस क्रम में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित मदों के अनुसार यांत्रिक विभाग द्वारा हिंदी में किए गए कार्यो की समीक्षा की गई। कार्यक्रम के आरंभ में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अजय कुमार राणा द्वारा महाप्रबंधक सतीश कुमार का स्वागत किया गया और और उन्हें विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया गया। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज, हिमांशु बडोनी, सचिव/महाप्रबंधक अजय सिंह, मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर/कोचिंग सूरज प्रकाश, मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर/फ्रेट पी.के. पाण्डेय, मुख्य मोटिव पावर इंजीनियर एस. के. भारती, जी.सी. सिंह, मुख्य कारखाना प्रबंधक, सिथौली, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/ कारखाना आर.पी. त्रिपाठी तथा उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/ मुख्यालय एवं सचिव प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर ओ.पी. सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी चन्द्र भूषण पाण्डेय सहित राजभाषा तथा यांत्रिक विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

ठगी के मामले मे रेलवे अस्पताल का डॉक्टर हुआ गिरफ्तार

रे.स.ब्यू./सूत्रः प्रयागराज पुलिस ने रेलवे अस्पताल के वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी डा. परवेज अहमद को जार्जटाउन मे १.६५ करोड़ के ठगी के मामले मे गिरफ्तार किया है । मामला नवंबर २०२२ का है जिसमें मुख्य आरोपी अजहर अनीस उस्मानी पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोप है की उसने बुलेट एजेंसी के एक संचालक से रेलवे स्क्रैप के ठेका दिलाने के नाम पर १.६५ करोड़ की ठगी की बता दें कि यह रकम रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर के फर्जी आदेश दिखा कर एंठी गई थी। जिसके बाद पुलिस की पूछताछ मे आरोपी ने बताया कि उसका सहयोग केंदीय रेलवे चिकित्सालय का वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी डा. परवेज अहमद ने किया था। पुलिस को विवेचना के दौरान यह भी पता चला है कि अजहर रेलवे स्क्रैप की ठेका दिलाने के नाम पर कई अन्य लोगों से इसी तरह पैसे एंठे थे और यह काम भी वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी डा. परवेज अहमद के सहयोग से करता था। वहीं पुलिस को डॉक्टर के खिलाफ भी कई सबूत मिले थे, जिसके बाद उसे आरोपी बनाया गया था` आखिरकार शनिवार दिनांक २६.०४.२०२३ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

'प्रबंधन में रेलकर्मियों की भागीदारी' (प्रेम समूह) की बैठक का आयोजन

साभारः महाप्रबंधक अनुपम शर्मा की अध्यक्षता में १६.०४.२३ को हाजीपुर स्थित मुख्यालय के सभाकक्ष में 'प्रबंधन में रेल कर्मचारियों की भागीदारी' (प्रेम समूह) की वर्ष २०२३ की द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आलर्म चेन पुल के दुरुपयोग से रेल राजस्व की क्षति को रोकने हेतु उपाय, टिकट जांच एवं रेल राजस्व में वृद्धि तथा टर्मिनल डिटेंशन रोकने हेतु संभावित कदम जैसे विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। बैठक में सभी विभागाध्यक्ष एवं यूनियन/ एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि रेल संगठन को अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रबंधन में रेलकर्मियों की सक्रिय भागीदारी के उद्देश्य से प्रेम समूह की स्थापना की गई है। रेलकर्मियों की भागीदारी से जहाँ कर्मचारियों में प्रबंधन में भागीदारी की भावना जागृत होती है वहीं रेल के कार्यों की जमीनी स्तर पर समीक्षा हो पाती है। हम उन क्षेत्रों को चिन्हित कर प्राथमिकता तय कर पाते हैं जो साधारणतः रूटीन विषय बन जाते हैं। यूनियन एवं एशोसिएशन के सहयोग से एक उपयुक्त कार्य प्रणाली तैयार कर लगातार तकनीक का प्रयोग कर हम रेलसेवा एवं संगठन को प्रभावी बना सकते हैं। महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि आलर्म चेन पुल के दुरुपयोग से न केवल रेल राजस्व की क्षति होती है बल्कि ट्रेनों के समयपालन पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें टिकट जांच एवं रेल राजस्व में वृद्धि तथा टर्मिनल डिटेंशन रोकने हेतु हर संभव कदम उठाया जाना चाहिए। वर्तमान परिदृश्य में इन विषयों पर विमर्श से यात्री सेवा एवं माल लदान में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। समीक्षात्मक चर्चा एवं इससे उत्पन्न प्रेरक विचार हमारे लिए सार्थक एवं उपयोगी साबित होंगे। बैठक में उपस्थित प्रमुख विभागाध्यक्ष, ईस्ट सेंट्रल रेलवे ऑफिसर्स एसासिएशन के अध्यक्ष जे.के.पी.सिंह तथा महासचिव राजीव रंजन, ईस्ट सेंट्रल रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स एशोसिएशन के अध्यक्ष बी.के. दास एवं महासचिव दीपक राज राय, ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष डी.के. पाण्डेय एवं महासचिव एस.एन. पी.श्रीवास्तव, एससी/ एसटी एसोसिएशन के जोनल सचिव पवन कुमार राम एवं यूनियन के अन्य पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्या डॉ. अंजू बाला ने की पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक के साथ बैठक

रे.स.ब्यू./सूत्रः हाजीपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की माननीय सदस्या डॉ. अंजू बाला दिनांक २१.०४.२३ को एक दिवसीय दौरे पर पूर्व मध्य रेल पहुंची थी।

इस दौरान डॉ. अंजू बाला की अध्यक्षता में पूर्व मध्य रेल के महेन्दू स्थित सभागार में महाप्रबंधक अनुपम शर्मा के साथ अनुसूचित कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रमोशन एवं उनके वेलफेयर से जुड़े मुद्दे पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

इस बैठक में पूर्व मध्य रेल की ओर से अपर महाप्रबंधक एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित अन्य उच्चाधिकारीगण भी उपस्थित थे।राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की माननीय सदस्या डॉ. अंजू बाला ने समीक्षा बैठक के उपरांत कहा कि वे पूर्व मध्य रेल द्वारा अनुसूचित जातियों के कर्मचारियों के नियुक्ति, प्रमोशन एवं उनके वेलफेयर हेतु उठाए गए कदमों से संतुष्ट हैं। इस समीक्षा बैठक से पूर्व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की माननीय सदस्या डॉ. अंजू बाला ने पूर्व मध्य रेल एससीएसटी एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ भी एक बैठक की जिसमें एससी/एसटी कर्मचारियों के हितों एवं उनके कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई।विदित हो कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद ३३८ द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना अनुसूचित जातियों के शोषण के खिलाफ उनके सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक हितों को बढ़ावा देने एवं उनकी रक्षा करने के लिए की गयी है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के वर्तमान में अध्यक्ष विजय सांपला, उपाध्यक्ष अरुण हलदर तथा सदस्य डॉ. अंजू बाला एवं सुभाष रामनाथ पारधी हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में जोनल प्रेम मिटिंग संपन्न

साभारः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय बिलासपुर में दिनांक २६ अप्रैल, २०२३ को जोनल स्तर पर प्रेम (PREM : Participation of Railway Employees in Management) बैठक संपन्न हुई। प्रेम मीटिंग का उद्देश्य रेलवे संगठन के यूनियन एवं एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों एवं प्रबंधन के विचार विमर्शो के द्वारा संगठन की उत्पादकता एवं कार्यप्रणाली में गुणात्मक सुधार लाना होता है। इस बैठक की अध्यक्षता आलोक कुमार, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने की एवं इस बैठक में विभागाध्यक्षों के साथ-साथ मजदुर कांग्रेस अध्यक्ष, अनुसुचित जाति एवं जनजाति रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष, जोनल सहासचिव पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, प्रमोटी आफिसर्स एसोसिएशन के वर्किंग अध्यक्ष एवं महासचिव, आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव भी उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने एक प्रेजेंटेशन के द्वारा "जनता को प्रदान की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता " के बारे में विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। रेलवे उपभोक्ता को दी जाने वाली सेवाओ की गुणवता के बारे में सारगर्भित प्रेजेंटेशन दिया गया। इसमे टिकटिंग फैसिलिटी जिसमे यूटीएस, पीआरएस, वाईटीएसके, जेटीबीएस, एसटीबीए, एटीवीएम के साथ –साथ टिकट वेंटिंग मशीन की जानकारी दी। यात्री सुविधा के अंतगर्त लिफ्ट, एस्केलेटर्स, वाई-फाई सुविधाओ की चर्चा की गई। कैटरिंग सेवा की सुविधा में वृद्धि करने पर जोर दिया गया। साथ ही टिकट चेकिंग में यात्रा के पूर्ण इम्प्लीमेंटेशन करने का निर्देश दिया गया। रेल मदद एप, दिव्यांग सुविधाए, हेल्पलाइन नंबर १३६, अक्षिता एक सेफ, स्वच्छता, सुरक्षा आदि सेवाओ की गुणवत्ता को बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में सभी ने अपने-अपने बहुमूल्य तथा उपयोगी सुझाव दिये। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबन्धक आलोक कुमार ने सबके परस्परिक सहयोग से यात्रियो को दी जाने वाली सेवाओ की गुणवत्ता बढ़ाने पर बल देने की बात कही। उन्होने कहा कि छोटे-छोटे सुधार ही बड़े सुधार में परिवर्तित हो जाते है। बैठक के प्रारम्भ में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी आर. के. अग्रवाल ने आलोक कुमार, महाप्रबंधक सहित सभी अधिकारियों एवं यूनियनों के पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा इस बैठक के अंत में उप महाप्रबंधक, तन्मय माहेश्वरी ने इस बैठक में उपस्थित रेल अधिकारियों व यूनियनों के पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुंभ के पहले बदल जाएगी प्रयागराज की सूरत-गणेश केसरवानी

साभारः प्रयागराज। नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के महापौर पद के प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के समर्थन में चाय चौपाल का आयोजन बुधवार को स्टैनली रोड स्थित मुल्ला हाता के सरस्वती पार्क में हुआ।प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा कि प्रयागराज का विकास मेरी प्राथमिकता होगी। कुंभ के पहले प्रयागराज नई सूरत में दिखाई देगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार गौर ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद आज प्रयागराज अपराध मुक्त है। विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने कहा कि आज जब टिकट बिक रहे हैं तो सिर्फ भाजपा ही जमीन से जुड़े व्यक्ति को टिकट दे सकती है।कार्यक्रम के आयोजक भाजपा कार्यकर्ता एवं ज्ञान गुर सागर वाहिनी के अध्यक्ष कुश श्रीवास्तव ने अतिथियों का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। कुश श्रीवास्तव ने बताया कि भाजपा को जिस प्रकार का समर्थन एवं विश्वास बौद्धिक वर्ग ने दिखाया है वही इस विकास और बदलाव का आधार है। कुश ने कहा कि कायस्थ एक परिवार है और भाजपा उनका घर और परिवार सदैव घर में ही प्रवास करता है और घर को और सुदृढ़ बनाता है। कार्यक्रम का संचालन आभा माथुर ने किया। कार्यक्रम में भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता भाजपा महानगर जिला मंत्री संजय श्रीवास्तव कुंडा आदि उपस्थित रहे।

MEGA PROMOTION CEREMONY OF METRO RAILWAY

Source/CPRO/Kolkata: P. Uday Kumar Reddy, General Manager/Metro Railway has been emphasising on Human Resource Development in Metro Railway to enable the staff to actively contribute towards providing a most modern commuter-friendly transport system in Kolkata as an epitome of 'Atmanirbhar Bharat'. In order to boost up the moral of the employees, Reddy, General Manager planned for a 'Mega Promotion Ceremony' today to provide career progression scope for the employees of Kolkata Metro Railway.As many as 140 employees of Metro Railway, who are the frontline staff responsible to run the first Metro of the country, have got promotions as token of appreciation for their dedicated services in Metro Railway.Metro Railway is the life line of Kolkata. Everyday lakhs of commuters use the Metro to reach their destinations in an around Kolkata conveniently and cheaply. Metro authorities, beside running smooth services for commuters also take care of staff and encourage them to execute their daily job with dedication and care.Under the able guidance and leadership of General Manager, Metro Railway, P.Uday Kumar Reddy, a Mega Promotion Ceremony was held today i.e. on 25.04.23 at Noapara Carshed. In this Mega Promotion Ceremony, first of its kind in Metro Railway, a total of 140 Gr.-C staff were handed over their promotion orders. General Manager handed over these orders to them. Congratulating all of them for getting promotions, Reddy expressed his hope that this ceremony would encourage all Metromen to work for the betterment of the organization as well as for the Metro commuters. This ceremony will be a milestone in the career of Metromen and pave the way to further improve Metro services, General Manager said.Metro staff who were handed over their promotion orders by hon'ble General Manager today, were delighted and vowed to work with more dedication to ensure full satisfaction of the commuters.In this ceremony, K.K.Patro, Principal Chief Electrical Engineer, Metro Railway was felicitated. Principal Head of Departments and senior officers were also present in this programme.

> कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
>
> जार्ज इलियट

उत्तर मध्य रेलवे में भारत रत्न डॉ. बी. आर अंबेडकर की १३२वीं जयंती आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्र प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में " भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर का १३२वीं जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर सतीश कुमार, महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज ने सर्वप्रथम बाबा डा।. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात चंद्र प्रकाश गुप्ता, अपर महाप्रबन्धक/उत्तर मध्य रेलवे, अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी/उत्तर मध्य रेलवे एवं अखिल भारतीय अनुसूचित जाति ध्जन जाति के जोनल अध्यक्ष किशन स्वरूप सहित उपस्थित सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर सतीश कुमार, महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किये तथा बाबा साहेब के बताये गये आदर्शो एवं निर्देशों का अनुपालन करना ही बाबा साहेब के प्रति सच्ची श्रद्धाजंली होगी। महाप्रबन्धक महोदय ने यह भी बताया कि बाबा साहेब के जीवन से हमें इस बात की प्रेरणा मिलती है कि हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें तथा सच्चाई का अनुसरण कर समाज सेवा करते रहें । इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशा. एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष सहित रेलकर्मी उपस्थित रहें ।

हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से रवाना हुई भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

साभारः भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 'बाबा साहब अम्बेडकर यात्रा' को १४ अप्रैल, २०२३ को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार तथा संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक शोभन चौधुरी, आई.आर.सी.टी.सी. की मुख्य प्रबन्ध निदेशक, श्रीमती रजनी हसीजा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।इस अवसर पर बोलते हुए डॉ वीरेन्द्र कुमार ने बाबा साहब अम्बेडकर के द्वारा दलितों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों के अधिकारों तथा उनके सामाजिक उत्थान मे बाबा साहब के योगदान पर प्रकाश डाला तथा उन्होंने इस ट्रेन को चलाने के लिये रेलवे की सराहना की। जबकि रेड्डी ने कहा कि इस ट्रेन से पर्यटक ०८ दिनों की अपनी यात्रा में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन और बुद्ध की विरासत से जुड़े स्थलों का भ्रमण करेंगे। यह ट्रेन भारत की 'देखो अपना देश'' अवधारणा को पूरा करती है। ०७ रातों और ०८ दिनों की यात्र वाली यह भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन दिल्ली से प्रस्थान करने के बाद अपने पहले ठहराव पर बाबा साहब की जन्मस्थली (भीम जन्मभूमि) मध्यप्रदेश के डॉ अम्बेडकर नगर (महू) पहुँचेगी। इसके पश्चात यह ट्रेन नागपुर स्टेशन के लिये रवाना होगी जहां पर्यटक नवयान बौद्ध धर्म के एक प्रतिष्ठित स्मारक दीक्षा भूमि का भ्रमण करेंगे। वहां से यह ट्रेन सांची के लिये प्रस्थान करेगी। सांची में प्रसिद्ध सांची स्तूप और अन्य बौद्ध स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। सांची के पश्चात यह ट्रेन अपने अगले गंतव्य वाराणसी जायेगी, जहां पर्यटक सारनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिर को देख सकेंगे। इस ट्रेन का अगला और अंतिम गंतव्य गया स्टेशन होगा, जहां पर्यटकों को बोधगया के पवित्र स्थल ले जाया जायेगा और वे महाबोधि मंदिर व अन्य मठों को देख सकेंगे। सड़क मार्ग द्वारा अन्य महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों राजगीर और नालंदा का भी भ्रमण कराया जायेगा। यह यात्रा अंत में नई दिल्ली आकर समाप्त होगा। पर्यटकों को दिल्ली, मथुरा और आगरा छावनी रेलवे स्टेशनों से ट्रेन में बैठने ध्उतरने की सुविधा उपलब्ध होगी। इस यात्रा के मुख्य आकर्षण में नई दिल्ली में बाबा साहब अम्बेडकर मैमोरियल का भ्रमण शामिल है। डॉ० बाबा साहब अम्बेडकर, जिन्हें लोग प्रेम से बाबा साहब कहते हैं, संविधान के निर्माता हैं। इसके साथ-साथ वे प्रसिद्ध न्यायविद्, राजनीतिक कार्यकर्ता, मानव विज्ञानी, लेखक, वक्ता, इतिहासकार, अर्थशास्त्री और विद्वान भी थे। अम्बेडकर ने अपने पूरे जीवन में अस्पृश्यता जैसी सामाजिक बुराईयों को मिटाने के लिये संघर्ष किया और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गो के अधिकारों के लिये उठ खड़े हुये। भारतीय रेलवे द्वारा डिजाइन किया गया बाबा साहब अम्बेडकर यात्रा का यह यात्रा उनके जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों और गंतव्यों को रेखांकित करता है।१० वातानुकूलित ३ टीयर के डिब्बों वाली इस बाबा साहब अम्बेडकर यात्र पर्यटक ट्रेन में ६०० पर्यटक यात्र कर सकेंगे। इस पर्यटक ट्रेन में पैंट्री कोच की सुविधा होगी जो यात्रियों को शाकाहारी भोजन परोसेगी। इसके साथ ही पर्यटकों को यात्रा बीमा, ट्रेन में सुरक्षा की सुविधा उपलब्ध होगी। बाबा साहब अम्बेडकर यात्र भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन की शुरूआत घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहल 'देखो अपना देश' के अनुरूप है। इस ट्रेन में प्रति व्यक्ति किराये की शुरूआत २१,६५० से होगी। इस किराये में वातानुकूलित ३ टीयर में यात्रा सुविधा, होटलों में रात्रिकालीन ठहराव, शाकाहारी भोजन शामिल होगा। पर्यटकों के लिए बसों द्वारा दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के साथ-साथ गाइड की सेवायें तथा यात्र बीमा की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यात्रा की पूरी अवधि के दौरान रेलवे टीम स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी सभी प्रोटोक ल का ध्यान रखेगी एवं यात्रियों को सुरक्षित व चिंता मुक्त अनुभव देने का प्रयास करेगी। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइटः https://www-irctctourism.com पर जा सकते हैं।

> ''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''
>
> -सरदार वल्लभभाई पटेल

CORE CREATES HISTORY - ELECTRIFIES 4767 RKM OF BG NETWORK IN FINANCIAL YEAR 2022-23

Source/CPRO/SR: CORE ended the financial year 2022-23 on a high note with an unbeatable record of highest ever electrification of 4767 RKM (Route Kilometre). Government of India has set a target to electrify the entire BG route by December 2023, taking into consideration inherent advantages of electric traction. CORE under the guidance of its General Manager, Pramod Kumar scaled new heights by electrifying 4767 RKM in financial year 2022-23 surpassing its previous record of 4283 RKM in financial year 2021-22. To achieve this national mission, Central Organisation for Railway Electrification (CORE) is playing a pivotal role and working as a dedicated team, towards making the nation self-reliant by developing a safe, energy efficient, eco-friendly and economical rail transport system through its nine project units.Other Public Sector Organisations and Zonal Railways are also involved in Railway Electrification. However, CORE has done the lion's share of commissioning which is approximately 74% of overall electrification works carried out in the financial year 2022-23.Secunderabad unit of CORE contributed 1050 RKM which is the highest ever electrification in the history of any project unit. This was followed by Bangalore unit which commissioned 713 RKM followed by Ahmedabad unit with 669 RKM. Jaipur contributed 670 RKM, New Jalpaigudi commissioned 580 RKM, Ambala commissioned 453 RKM, Chennai did 406 RKM, Lucknow contributed 194 RKM and Kolkata commissioned 31 RKM during the financial year 2022-23.Apart from electrification of sections under the jurisdiction of various railways and in various States, CORE has been relentlessly targeting the commissioning of Traction Substations for strengthening the power supply system and ensuring smooth and safe train operations. In the financial year 2022-23, a total of 61 Traction Substations (TSS) have been commissioned by CORE which a significant jump of 80 % compared to last financial year. Project units Secunderabad tops the list with 12 TSS. In other project units Bangalore commissioned 6 TSS, Ahmedabad commissioned 4 TSS, Jaipur commissioned 10 TSS, Ambala commissioned 6 TSS, Chennai commissioned 5 TSS, Lucknow commissioned 6 TSS, New Jalpaigudi commissioned 1 TSS and Kolkata commissioned 11 TSS. In the month of March alone, a total of 21 Traction Sub-Stations were commissioned in different railways which is a record for TSS commissioning on a monthly basis. Earlier, 11 Sub-Stations were commissioned in the month of January 2023. This shows the importance CORE has attached to commissioning of Sub-Stations for smooth train operations.Similarly, in this financial year a total of 50 Tower Wagon Sheds have been commissioned which is a quantum jump of 212 % compared to the last financial year. Tower Wagon sheds are an indispensable part of traction maintenance works and CORE is taking all out efforts to commission the balance tower wagon sheds at the earliest.In the financial year 2022-23, CORE has electrified many important sections, which will not only increase the sectional capacity and operational speed but also provide impetus to the socio-economic development of the adjoining regions.An important electrified route from Prayagraj to Bhopal has been achieved with the electrification of Ishanagar-Udaipura section (75 RKM) apart from North Central Railway becoming 100% electrified. With the electrification of the Sikar-Churu section (87 RKM), entire Shekhawati region, which is a major business and tourism hub, is now directly connection to Delhi on electric traction.

With the electrification of Shohratgarh-Pachpherwa-Subhagpur section (118 RKM) the entire alternative stretch from Gonda via Balrampur-Anand Nagar to Gorakhpur has been fully electrified. At the same time entire State of Uttar Pradesh as well as NER have been fully electrified.With the electrification of Pangri-Latur Road section (129 RKM), the entire stretch from Pune to Secunderabad via Kurduwadi, Latur Road and Vikarabad has been fully electrified. This will provide an alternative route to Pune-Wadi-Secunderabad section along with Central Railway being fully electrified.The entire main line connecting Bengaluru and Hubballi has been fully electrified resulting in seamless end to end connectivity for running of Vande Bharat express with the electrification of Nittur-Arsikere-Birur-Hosdurga & Chikjajur-Devarguda-Karajagi-Hubballi sections (244 RKM). Trains from New Delhi to Bikaner can now run on fully electrified route with the electrification of Benisar-Napasar-Bikaner section (61 RKM). Meghalaya has been connected with the rest of India on electrified route with the electrification of Dudhnoi-Mendipathar (20 RKM) route which is a major achievement .Other important sections which were electrified include HoleAlur-Badami-Guledagu-dda (41 RKM), Bangarpet-Kolar-Chikkaballapur-Yelaha-nka (103 RKM), Dindigul-Palani (56 RKM), Karaikkudi-Manamadurai (61 RKM), Tiruchendur-Tirunelveli-Tenk-asi (133 RKM), Virudhunagar-Tenkasi-Sengottai-Bhagwati-puram (136 RKM), Parbhani-Parli-Vaijnath (62 RKM), Kalikiri-Thummanamgutta (50 RKM), Purnea-Jogbani (79 RKM), Chheharta-Atari (18 RKM), Samakhiali-Bachau, Bachua-Adipur via Gandhidham upto New Bhuj (115 RKM), Sihor-Bhavnagar Terminus (21 RKM) and Wankaner-Maliyamiyana (97 RKM).General Manager Pramod Kumar while addressing officers and staff at CORE/HQ said that this outstanding achievement is a result of tireless efforts, immaculate planning and precise coordination with the Zonal Railways. This shows the inherent strength of the Railway system in general and CORE in particular which is willing to accept challenges and deliver results. He congratulated the entire team CORE on such a stupendous feat and expressed happiness that CORE has played a leading role in electrification works will take Indian Railway to newer heights.

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने की कार्य के प्रगति की समीक्षा

रे.स.ब्यू./सूत्रः नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों एवं मंडल रेल प्रबंधकों के साथ उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की । बैठक में गतिशीलता में वृद्धि और अन्य विकासात्मक कार्यो व माल लदान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। उत्तर रेलवे ने समयपालनबद्धता के बेहतर रिकॉर्ड को बनाए रखा है और रेलगाड़ियों के समय से चलने पर विशेष बल दिया है। उन्होंने बताया कि संरक्षा के अलावा गतिशीलता बढ़ाने जैसे कार्य उत्तर रेलवे की प्राथमिकता हैं। उन्होंने रेलपथों, वैल्डों के अनुरक्षण मानकों और रेलपथों के निकट पड़े स्क्रैप को हटाने के लिए जोन द्वारा किए गए कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने मण्डलों को गतिशीलता बढ़ाने संबंधी कार्यों में तेजी लाने और कार्यो की प्रगति की जांच करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने संरक्षा बढ़ाने पर बल दिया और रेल परिचालन के दौरान आने वाली बाधाओं को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। चौधुरी ने कहा कि जब भी आवश्यक हो संबंधित कर्मचारियों को परामर्श व प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेल पटरियों की दरारों और रेल वैल्डों की गहन निगरानी की जानी चाहिए और कोई त्रुटि नहीं छूटनी चाहिए। उन्होंने रेल परिचालन में मानवीय भूलों को न्यूनतम करने पर बल दिया। उन्होंने विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों को रेलगाड़ियों की समय पालन बद्धता में और सुधार करने और संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए माल लदान की गति को बनाए रखने के निर्देश दिए। फ्रेट बिजनेस डेवलपमेंट पर बात करते हुए महाप्रबंधक ने बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों को रेल उपयोगकर्ताओं के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा दी जाने वाली रियायतें उसके सभी ग्राहकों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न और अन्य मदों के लदान में प्रत्येक माह के साथ वृद्धि बनी हुई है।

निर्वाचन आयोग ने दी १५ तरह की आईडी को मान्यता

साभारः नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन में फर्जी मतदान को रोकने और उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने १५ तरह की आईडी (ID) को मान्यता प्रदान की है। इनके जरिये मतदाता बूथों पर पहुंचकर मतदान कर सकते हैं। जिन मतदाताओं के पास आईडी नहीं रहेगी, उन्हें मतदान से वंचित होना पड़ेगा। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेन्स, आयकर पहचान पत्र (पैन कार्ड), राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों अथवा पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किये जाने वाले फोटोयुक्त पहचान पत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों/पोस्ट ऑफिस द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, फोटोयुक्त पेंशन अभिलेख यथा-भूतपूर्व सैनिक पेंशन बुक पेंशन भुगतान आदेश, वृद्धावस्था पेंशन प्रमाणपत्र को चुनाव में आईडी के तौर पर मान्यता दी है। इसके अलावा फोटोयुक्त स्वतन्त्रा संग्राम सेनानी पहचान पत्र, फोटोयुक्त शस्त्र लाइसेन्स, फोटोयुक्त शारीरिक रूप से अशक्त हो

पत्रकार कल्याण महासंघ का मनाया गया प्रथम स्थापना दिवस

साभारः पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थापना दिवस विश्वधरोहर बौद्ध नगरी सिरपुर में सतीश जग्गी अध्यक्ष सिरपुर विशेष क्षेत्र प्राधिकरण के आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान ने की तथा विशेष अतिथि उद्योगपति अशोक अग्रवाल मंचस्थ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीपप्रज्जवलित कर किया गया। स्थापना दिवस व सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सतीश जग्गी ने कहा कि मीडिया देश का चौथा स्तंभ है। पत्रकारों की कलम में वो ताकत है कि सरकार को गिरा सकते हैं और बना सकते हैं। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ कम समय में भी काम कर एक अच्छे मुकाम है वह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। भारी संख्या में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पत्रकार साथी उपस्थित हुए हैं उपस्थित पत्रकारों को प्रथम स्थापना दिवस पर बधाई देता हूँ और पत्रकार साथियों को जहां पर भी मेरे सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी मैं हमेशा खड़ा रहूंगा। स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान जी ने कहा कि पत्रकार साथियों के हित संवर्धन व सुरक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने नारा दिया एक सबके लिए-सब एक के लिए हमारा मूल मंत्र है। और छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाने का पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ सरकार को सादर धन्यवाद देते हुए शुभकामनाएं देता है। समारोह को प्रदेश संरक्षक आर.बी. वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष गुलाब दीवान, प्रवीण खरे प्रदेश महासचिव, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश नामदेव राजनांदगांव, गिरीश जोशी कोण्डागांव, आनंदराम साहू प्रेस क्लब अध्यक्ष महासमुंद, हनुमान नायक जिलाध्यक्ष दुर्ग, लक्ष्मीनारायण लहरे सारंगढ़, विष्णु कुमार सोनी, शमशाद बानो राजनांदगांव आदि ने संबोधित किया।

मुख्य अतिथि सतीश जग्गी का उपस्थित सभी पत्रकारों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। राजनांदगांव के निम्न पत्रकारगण कलमवीर सम्मान से नवाजे गये।

जिसमें श्रीमती विद्या कामड़े (डोंगरगढ़- राजनांद गांव), शमशाद बानो,सोनप्रभा सेमयुल, विष्णु कुमार सोनी, भोजेश साहू को कलमवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश कार्यसमिति में राजनांदगांव से दिनेश नामदेव को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए दायित्व प्रदान किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में उत्तर कुमार कौशिक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, दशरथ साहू जिला महासचिव सारंगढ़ बिलाईगढ़, कमलेश चौहान संस्थापक सदस्य, तमिल टंडन, अरूण चंचल, मधुमिता नियाल दुग्र, इमरान पारख कोण्डागांव, श्याम कुमार पटेल सारंगढ़, संजय यादव, सुमित अग्रवाल, मानसयास साहू, वेदप्रकाश विश्वकर्मा बिलाईगढ़, जीवन ध्रुव महासमुंद, लोकेश चन्द्राकर, नानू सलूजा बागबाहरा, मनोज बेहरा बसना, खिलावन चक्रधारी के अलावा विभिन्न जिले से पत्रकार साथी उपस्थित रहें।

विकास के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी- केशव प्रसाद मौर्य

रे.स.ब्यू./सूत्रः सीतापुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य लोहारबाग में स्थित एक गेस्ट हाउस परिसर में भाजपा प्रत्याशी नेहा अवस्थी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में जनता के आशीर्वाद से मिली ताकत से जो विकास हुआ है, वह महज झांकी है। पूरा विकास होना अभी बाकी है और इसके लिए नगर पालिका में भाजपा की सरकार चाहिए। देश में मोदी और प्रदेश में योगी की सरकार न होती, तो विकास महज कागजों में दिखता। अब डबल इंजन की सरकार से काम नहीं चलेगा। ट्रिपल इंजन की सरकार चाहिए। कि सपा से मुक्ति के लिए चुनावी यज्ञ में हर किसी को आहूति देनी चाहिए। निकाय चुनाव लोकसभा चुनाव का आगाज है। सपा अब समाप्तवादी पार्टी हो चुकी है। विधानसभा चुनाव में साइकिल पंचर हो गई थी और रही सही कसर निकाय चुनाव में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास को रफ्तार देने के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित किया जन जागरूकता कार्यक्रम

साभारः विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज नमामि गंगे युवाओं की सहभागिता के अंतर्गत संगम तट पर जन जगरूकता व स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया स कार्यक्रम में नमामि गंगे जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह , स्पेयरहेड लीडर्स निर्मलकांत, रोहित, रूपशंकर, गंगा दूत गगन ,शिवम उपस्थित रहे स कार्यक्रम में टीम ने गंगा के तट पर सफाई अभियान चलाया और नारे लगा कर रैली के माध्यम से जागरूकता की स जिला परियोजना अधिकारी ने बताया विश्व पृथ्वी दिवस का बहुत महत्व है, ब्रह्मांड में पृथ्वी गृह को छोड़कर अन्य किसी गृह पर जीवन नहीं है। घटती हरियाली, सूखता पानी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता तापमान इत्यादि विषयों की वास्तविकता से हम अवगत होते है स यह हम सब की जिम्मेदारी है कुछ न कुछ ऐसा करें जिससे पृथ्वी के, उसके प्राकृतिक संसाधनों के, उसके जीव जंतुओं के संरक्षण के लिए कुछ जागरूकता बढ़े। हर साल पृथ्वी दिवस को अलग अलग थीम दी जाती है. इस बार 'इन्वेस्ट इन आवर अर्थश दिया गया है, जिसका अर्थ है हमारी पृथ्वी में निवेश करेंस स्पीयर हेड लीडर रूप शंकर और रोहित ने संगम तट पर आइए हुए आम जन मानस को जागरूक किया और प्रोत्साहित करते हुए कहा हम सब पॉलिथीन के उपयोग को नकारें, कागज का इस्तेमाल कम करें और रिसाइकल प्रक्रिया को बढ़ावा दें क्योंकि जितनी ज्यादा खराब सामग्री रिसाइकल होगी, उतना ही पृथ्वी का कचरा कम होगा। निर्मल कांत ने ज्यादा से ज्यादा पौधा रोपण कर के पर्यावरण संरक्षण करने की अपील की स कार्यक्रम के अंत में गंगादूत गगन ने उपस्थित सभी लोगो को स्वछता शपथ दिलाई।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर. यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

ईवीएम मशीनों के कमिश्निंग के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

साभारः जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में संगम सभागार में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-२०२३ को सम्पन्न कराये जाने हेतु ईवीएम मशीनों की कमिश्निंग किए जाने के सम्बंध में इंजीनियरों के द्वारा सभी आर०ओ०, ए०आर०ओ०, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को प्रशिक्षण दिया गया। ईवीएम मशीनों, सीयू एवं बीयू के संचालन की प्रक्रिया के बारे में भी इंजीनियरों के द्वारा जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी आर०ओ० एवं ए०आर०ओ० व अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पूर्ण मनोयोग के साथ सूक्ष्मता से ईवीएम मशीनों के कमिश्निंग करने के बारे में बारीकी से जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आप लोग जितनी बारीकी एवं मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, उतनी ही सहजता एवं सुगमता के साथ कमिश्निंग व निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल ढंग से सम्पन्न करा सकेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व जगदम्बा सिंह, एडीएम सिटी मदन कुमार, एडीएम नजूल प्रदीप कुमार यादव, सभी आर०ओ०, ए०आर०ओ०, उपजिलाधिकारीगण, अपर नगर मजिस्ट्रेटगण, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आरपीएफ ने २०२२-२३ में २०७ तस्करों को किया गिरफ्तार

यशो लभस्व

पसूका/नई दिल्लीः भारतीय रेल का रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रेल यात्रियों, यात्री क्षेत्र और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा और सुरक्षा के लिए निरंतर सुरक्षात्मक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आरपीएफ को सौंपी गई है। आरपीएफ, यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत है। रेलवे यात्रियों को सुरक्षित माल परिवहन सेवा प्रदान करने में भारतीय रेलवे की मदद करता है। आरपीएफ ने सुरक्षात्मक उपायों के साथ-साथ रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले अपराधियों का पता लगाने के साथ-साथ देश के सुदूर क्षेत्र में फैली रेलवे की संपत्तियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाई है। बच्चों की सुरक्षा और अ परेशन नन्हे फरिश्ते :- रेल मंत्रालय ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से संकट में फंसे बच्चों की बेहतर देखभाल और सुरक्षा के लिए ०५ मार्च, २०१५ को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की। एसओपी में सभी दिशा-निर्देशों/प्रावधानों/निर्देशों आदि को शामिल करने के लिए २३ दिसम्बर. २०२१ को रेलवे के लिए संशोधित एसओपीः २०२१ जारी की गई। एसओपी के अनुसार, वर्तमान में १४३ रेलवे स्टेशनों पर सीएचडी कार्यरत हैं। रेलवे सुरक्षा बल ने विभिन्न कारणों से गुम/परिवारजनों से अलग हुए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भारतीय रेलवे के संपर्क में आए १७००० से अधिक बच्चों को सुरक्षित बचाया है। इस संबंध में, ट्रेनों/रेलवे स्टेशनों पर देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों को बचाने के लिए एक सघन अभियान 'नन्हे फरिश्ते' की शुरुआत की गई। इसके उल्लेखनीय परिणाम सामने आ रहे है। मानव तस्करी और अभियान एएएचटी (मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई) - मानव तस्करी को रोकने के लिए एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए २०२२ में जारी मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, आरपीएफ की मानव तस्करी विरोधी इकाइयां ७४० से अधिक पोस्ट स्तर (थाना स्तर) पर कार्यरत हैं। एएचटीयू (मानव तस्कारी रोकथाम इकाइयां), मानव तस्करी को रोकने में शामिल एजेंसियों के नियमित संपर्क में हैं और इसने तस्करी के शिकार बच्चों को बचाने में उनकी मदद की है। वित्त वर्ष २०२२-२३ में २०७ मानव तस्करों की गिरफ्तारी की गई और ६०४ व्यक्तियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया। आरपीएफ ने एसोसिएशन ऑफ वॉलंटरी एक्शन (नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी की संस्था) के साथ ०६ मई, २०२२ को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे बचपन बचाओ आंदोलन के नाम में जाना जाता है। दोनों ने मानव तस्करी के खिलाफ काम करने, आरपीएफ कर्मियों और रेलवे कर्मचारियों के क्षमता निर्माण और मानव तस्करी की पहचान करने और इस संबंध में सूचनाएं साझा करने में सहयोग के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। आरपीएफ द्वारा संचालित किए जा रहे एएचटीयू को सुदृढ़ बनाने के लिए गृह मंत्रालय ने १२.६ करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। आपातकालीन प्रतिक्रिया और ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' - संकटग्रस्त यात्रियों की सुरक्षा संबंधी शिकायतों के निवारण और तत्काल सहायता के लिए यात्री रेल सहायता पोर्टल पर या हेल्पलाइन नंबर १३६ (इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम नंबर ११२ के साथ एकीकृत) के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं। वित्त वर्ष (२०२२-२३) के दौरान, २.४ लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई और उनके समाधान के लिए उचित आवश्यक कार्रवाई की गई। साथ ही, रेलवे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और उनकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए ट्विटर, फेसबुक, कू (ज्ञवव) जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ र्म के माध्यम से यात्रियों के नियमित संपर्क में है। ऑपरेशन जीवनरक्षा आरपीएफ की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण वित्त वर्ष २०२२-२३ में टीम आरपीएफ ने ऑपरेशन जीवनरक्षा के अंतर्गत ८७३ पुरुष और ५४३ महिला यात्रियों की जान बचाई गई। लगेज रिट्रीवल और ऑपरेशन अमानत- वित्त वर्ष २०२२-२०२३ के दौरान, आरपीएफ ने ३२,३३७ यात्रियों से संबंधित ५० करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सामान को प्राप्त किया और उचित सत्यापन के बाद उन्हें वापस कर दिया। ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ, यात्रियों के लिए यह सेवा करता रहा है। महिला सुरक्षा और अ परेशन मातृशक्ति –महिला यात्रियों की सुरक्षा भारतीय रेलवे की प्राथमिकता रही है। इस संबंध में, लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में विशेष रूप से अकेले यात्रा करने वाली या अपराध की चपेट में आने वाली महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए १७ अक्टूबर २०२० से 'मेरी सहेली' पहल शुरू की गई है। महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य निवारक उपाय जैसे ट्रेन एस्क र्टिंग, ८६४ स्टेशनों पर सीसीटीवी सिस्टम और लगभग ६६४६ कोच, महिला विशेष उपनगरीय ट्रेनों में महिला एस्कॉर्ट, रेलगाड़ियों में मिश्रित एस्कॉर्ट, महिला कोचों में अनधिकृत यात्रियों के खिलाफ नियमित अभियान आदि भी लागू किए जा रहे हैं।इसके अलावा, आरपीएफ कर्मियों में विशेष रूप से ६ प्रतिशत महिला आरपीएफ कर्मी हैं। ये संख्या वर्दी बलों में सर्वाधिक अधिक हैं। ये कर्मी रेलयात्रा के दौरान या रेलवे परिसर में गर्भवती महिलाओं की मदद हैं। इन्होंने वर्ष वित्त वर्ष २०२२-२३ के दौरान आरपीएफ ने 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के अंतर्गत रेलगाड़ी में १५८ और रेलवे परिसर में २२० महिलाओं के प्रसव में सहायता की है। दलालों के खिलाफ कार्रवाई और ऑपरेशन उपलब्ध इस संबंध में वित्त वर्ष २०२२-२३ के दौरान ४२८० दलालों को गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की गई है। भारतीय रेलवे में दलालों के खिलाफ आरपीएफ दल नियमित अभियान चलाते हैं। कार्रवाई के दौरान, १४० से अधिक गैर-कानूनी सॉफ्टवेयर बाधित किए गए और ऐसे गैर-कानूनी सॉफ्टवेयरों के डेवलपर्स, सुपर सेलर्स, विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को गिरफ्तार किया गया। ऑपरेशन 'रेल सुरक्षा'- रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के आदेशानुसार आरपीएफ ने ऐसे अपराधों में शामिल ६१७६ लोगों को गिरफ्तार किया और और वित्त वर्ष २०२२-२३ के दौरान चोरी की गई ६.३ करोड़ रूपये की रेलवे संपत्ति बरामद की। ऑपरेशन नारकोस - भारत सरकार ने अधिसूचना संख्या १४०३ दिनांक ११.०४.२०१६ के माध्यम से भारत के राजपत्र एस.ओ. १५८२ (ई) ने सहायक उप-निरीक्षक और उससे ऊपर की श्रेणी के रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों को नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत तलाशी लेने, जब्त करने और गिरफ्तार करने का अधिकार दिया है। वित्त वर्ष २०२२-२३ के दौरान १०२२ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। ८१ करोड़ रुपये मूल्य का एनडीपीएस जब्त किया और गिरफ्तार अपराधियों को कानूनी कार्रवाई के लिए एजेंसियों को सौंपा। ऑपरेशन डब्ल्यूआईएलईपी - वन्यजीवों और जानवरों के अंगों की तस्करी प्रकृति के खिलाफ अपराध है।

आरपीएफ इस मुद्दे पर सतर्क होने के साथ-साथ वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते है। आरपीएफ ने कई प्रतिबंधित वन्य जीवों यानी पक्षी, सांप, कछुआ, मोर, सरीसृप आदि और चंदन की लकड़ी और अन्य वनस्पतियों को भी बरामद किया है।

टीम आरपीएफ ने वित्त वर्ष २०२२-२३ के दौरान अ परेशन डब्ल्यूआईएलईपी के तहत १०८ मामलों का पता लगाया और ६८ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अंतर मंडलीय रेलवे सुरक्षा बल सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल, रवींद्र वर्मा के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में दिनांक २६ एवं २७.०४.२०२३ को रेलवे सुरक्षा बल/मुख्यालय/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा रेलवे अधिकारी क्लब में बल सदस्यों के लिए अंतर मंडलीय रेलवे सुरक्षा बल सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता का समापन दिनाँक २७.०४.२०२३ को रवींद्र वर्मा, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया।प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल, झांसी मंडल, आगरा मंडल तथा मुख्यालय की सांस्कृतिक टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रेलवे सुरक्षा बल के न केवल पुरुष बल सदस्यों ने बल्कि महिला बल सदस्य एवं बैंड सदस्यों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति भी पेश की। प्रतियोगिता में मुख्यालय/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया जबकि प्रयागराज मंडल की टीम द्वितीय स्थान पर रही। महानिरीक्षक महोदय ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता के दौरान रमेश चन्द्र, मुख्य सुरक्षा आयुक्त,विजय प्रकाश पंडित, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/प्रयागराज मंडल, बी०पी० सिंह, सहायक सुरक्षा आयुक्त (यात्री सुरक्षा), जगमीत सिंह चावला, स्टाफ अधिकारी/ मुख्यालय, सुदीप घोष, सहायक सुरक्षा आयुक्त/ प्रयागराज मंडल, टी०के० अग्निहोत्री, सहायक सुरक्षा आयुक्त/ प्रयागराज मंडल, गणेशन एम०ए०, सहायक सुरक्षा आयुक्त/ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र एवं उत्तर मध्य रेलवेध्मुख्यालय व मंडलों से रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक, उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक व स्टॉफ उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने रीवा, मध्य प्रदेश में किया लगभग २३०० करोड़ रुपये की विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह को संबोधित किया। उन्होंने लगभग १७,००० करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने मां विद्यावासिनी और शौर्य की भूमि को नमन करने के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने अपनी पूर्व यात्राओं और यहां के लोगों के स्नेह को याद किया। प्रधानमंत्री ने देश भर के ३० लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों की वर्चुअल उपस्थिति का उल्लेख किया और कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र की एक निर्भक तस्वीर प्रस्तुत करती है। आज की परियोजनाओं के बारे में, प्रधानमंत्री ने छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला फोर्ट रेल लाइन के विद्युतीकरण का उल्लेख किया, जो इस क्षेत्र के लोगों को दिल्ली-चेन्नई और हावड़ा-मुंबई से जोड़ने के साथ- साथ जनजातीय आबादी को भी लाभान्वित करेगा। उन्होंने छिंदवाड़ा-नैनपुर के लिए आज झंडी दिखायी गयी नई ट्रेनों का भी जिक्र किया और कहा कि कई कस्बे और गांव अपने जिला मुख्यालय छिंदवाड़ा, सिवनी से सीधे जुड़ जाएंगे तथा नागपुर और जबलपुर जाना भी काफी आसान हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र में समृद्ध वन्य जीवन का उल्लेख किया और कहा कि परिवहन-संपर्क बढ़ने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, श्यह डबल-इंजन सरकार की ताकत है। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के कार्य का दायरा अलग हो सकता है, लेकिन सभी, देश की सेवा के माध्यम से नागरिकों की सेवा करने के सामान्य लक्ष्य के लिए काम करते हैं। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि पंचायतें गांव और गरीब के लिए सरकार की योजनाओं को पूरे समर्पण के साथ लागू कर रही हैं। पंचायत स्तर पर सार्वजनिक खरीद के लिए 'ई ग्राम स्वराज' और 'जीईएम' पोर्टल का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये पंचायतों के कामकाज को आसान बनायेंगे। उन्होंने ३५ लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड के वितरण तथा मध्य प्रदेश के विकास के लिए रेलवे, आवास, जल और रोजगार से संबंधित १७००० करोड़ की परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत काल में विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए प्रत्येक नागरिक पूर्ण समर्पण के साथ काम कर रहा है। उन्होंने एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए भारत के गांवों में सामाजिक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और पंचायती राज व्यवस्था के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि वर्तमान सरकार एक मजबूत व्यवस्था बनाने और इसके दायरे का विस्तार करने के लिए अथक प्रयास कर रही है, जबकि पिछली सरकारों ने पंचायतों के साथ भेदभाव किया। २०१४ से पहले, पिछली सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों की कमी पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि वित्त आयोग ने ७०,००० करोड़ रुपये से थोड़ी कम धनराशि ही दी थी, जो देश के पैमाने के अनुसार बहुत अल्प राशि थी, लेकिन २०१४ के बाद इस अनुदान को बढ़ा कर २ लाख करोड़ रुपये से अधिक कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि २०१४ के पूर्व के दशक में, मात्र ६००० पंचायत भवनों का निर्माण किया गया, जबकि वर्तमान सरकार ने पिछले ८ वर्षों में ३०,००० से अधिक पंचायत भवनों का निर्माण किया है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले ७० से कम ग्राम पंचायतें ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ी थीं, जबकि वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी की सुविधा मिली है। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के बाद पिछली सरकारों द्वारा मौजूदा पंचायती राज व्यवस्था के प्रति विश्वास की कमी को भी रेखांकित किया। भारत अपने गांवों में बसता है, महात्मा गांधी के इन शब्दों को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने उनकी विचारधारा पर शायद ही कोई ध्यान दिया, जिसके परिणामस्वरूप पंचायती राज दशकों तक उपेक्षित रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पंचायतें, भारत के विकास की जीवनशक्ति बनकर सामने आ रही हैं। मोदी ने कहा, श्ग्राम पंचायत विकास योजना, पंचायतों को प्रभावी ढंग से काम करने में मदद कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार गांवों और शहरों के बीच के अंतर को समाप्त करने के लिए लगातार काम कर रही है। डिजिटल क्रांति के इस युग में पंचायतों को स्मार्ट बनाया जा रहा है। पंचायतों द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अमृत सरोवर का उदाहरण दिया, जिसमें स्थलों के चयन और परियोजना को पूरा करने जैसे मुद्दों को प्रौद्योगिकी की मदद से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सार्वजनिक खरीद के लिए जीईएम पोर्टल की सुविधा, पंचायतों द्वारा खरीद को आसान और पारदर्शी बनाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थानीय कुटीर उद्योग को अपनी बिक्री के लिए एक मजबूत अवसर प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री ने पीएम स्वामित्व योजना में तकनीक के फायदे की बात कही। उन्होंने बताया कि यह योजना गांवों में संपत्ति के अधिकार के परिदृश्य को बदल रही है और विवादों और मुकदमों को कम कर रही है। ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल से लोगों के लिए बिना किसी भेदभाव के संपत्ति के दस्तावेज सुनिश्चित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि देश के ७५ हजार गांवों में संपत्ति कार्ड का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने इस दिशा में अच्छे कार्य के लिए मध्यप्रदेश सरकार की सराहना की। छिंदवाड़ा के विकास के प्रति उदासीनता का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कतिपय राजनीतिक दलों की सोच को इसका कारण बताया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दलों ने आजादी के बाद ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी कर ग्रामीण गरीबों के विश्वास को तोड़ दिया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जिन गांवों में देश की आधी आबादी निवास करती है, वहां भेदभाव करने से देश आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि २०१४ के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था, गांवों में सुविधाएं और गांवों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी योजनाओं ने गांवों पर गहरा प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा कि पीएमएवाई के ४.५ करोड़ घरों में से ३ करोड़ घर ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और वे भी ज्यादातर महिलाओं के नाम पर हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित प्रत्येक घर की लागत १ लाख रुपये से अधिक है - इस पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने लखपति दीदी बनाकर देश की करोड़ों महिलाओं के जीवन को बदल दिया है। उन्होंने बताया कि आज ४ लाख से अधिक परिवारों ने पक्के घरों में गृह प्रवेश किया है और उन बहनों को बधाई दी, जो अब गृह- स्वामिनी बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने पीएम सौभाग्य योजना का भी जिक्र किया और बताया कि जिन २.५ करोड़ घरों को बिजली मिली है, उनमें से ज्यादातर घर ग्रामीण इलाकों के हैं और हर घर जल योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में ६ करोड़ से ज्यादा परिवारों को नल से पेयजल आपूर्ति की सुविधा मिली है। उन्होंने बताया कि पहले के १३ लाख की तुलना में अब मध्य प्रदेश में लगभग ६० लाख घरों में नल से जल आपूर्ति की सुविधा है। बैंकों और बैंक खातों तक पहुंच की आवश्यकता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि अधिकांश ग्रामीण लोगों के पास न तो बैंक खाते थे और न ही उन्होंने बैंकों की किसी सेवा का लाभ उठाया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इसके परिणाम स्वरूप लाभार्थियों को भेजी गई नकद सहायता उनके पास पहुंचने से पहले ही लूट ली गई। जन धन योजना पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि गांवों के ४० करोड़ से अधिक निवासियों के लिए बैंक खाते खोले गए और बैंकों की पहुंच को भारतीय डाक घर के माध्यम से इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा विस्तारित किया गया।

उन्होंने बैंक मित्रें और प्रशिक्षित बैंक सखियों का भी उदाहरण दिया, जो खेती हो या व्यवसाय, हर चीज में गांवों के लोगों की मदद कर रही हैं। पिछली सरकारों द्वारा भारत के गांवों के साथ किए गए अन्याय पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों पर पैसा खर्च करने को नजर अंदाज किया गया, क्योंकि गांवों को वोट बैंक नहीं माना जाता था।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वर्तमान सरकार ने हर घर जल योजना पर ३.५ लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर गांवों के विकास के द्वार खोल दिए, पीएम आवास योजना पर लाखों करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं, दशकों से अधूरी पड़ी सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए १ लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं और पीएम ग्रामीण सड़क अभियान पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

विश्व के हर भौगोलिक क्षेत्र को भारत से बहुत आशाएं और उम्मीदें-पीयूष गोयल

पसूका/नई दिल्लीः केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में इंडियन मर्चेंट्स चौंबर द्वारा आयोजित इंडिया क लिंग कॉन्फ्रेंस २०२३ में उद्घाटन भाषण दिया। अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने विश्व भर की बड़ी कंपनियों की आपूर्ति श्रृंखला में चेक गणराज्य और पोलैंड जैसे छोटे देशों की कंपनियों के योगदान को रेखांकित किया। गोयल ने सभी से २०४७ तक भारत के ४७ ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य निर्धारित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने का प्रयत्न किया है और इसमें उसे बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि टीम की भावना, प्रतिस्पर्धा और सकारात्मकता सफलता के लिए आवश्यक है और इस तरह की भावना मुंबई में देखी जा सकती है, जो न केवल भारत की वित्तीय बल्कि आनन्द-मौज की भी राजधानी है।गोयल ने कहा कि विश्व के हर भौगोलिक क्षेत्र को भारत से बहुत आशाएं और उम्मीदें हैं और यद्यपि यह कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह भारत के भविष्य में विश्व के भरोसे को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, भारत एक अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व के विजन को दर्शाता है। जहां वाणिज्य उद्योग की टीमें भारत के हितों की रक्षा पर गहन ध्यान देने के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रही हैं, भारत का मानना है कि सच्ची समृद्धि तब होती है जब पूरा विश्व समृद्ध होता है। भारत वैक्सीन मंत्री में विश्वास करता है जिसके तहत इसने निर्धन देशों को २७८ मिलियन खुराक ज्यादातर निःशुल्क में वितरित किया क्योंकि विश्व सुरक्षित होने पर ही भारत खुद को सुरक्षित महसूस करता है। गोयल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'पंच प्रण' को तभी साकार किया जा सकता है जब यह समस्त देश की प्रतिबद्धता बन जाए। उन्होंने बल देकर कहा कि विकसित भारत का विजन देश की नारी शक्ति और भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र के बिना संभव नहीं होगा। उन्होंने सामाजिक प्रयोजनों से उद्योग की प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि हम सभी भारत के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। सम्मेलन के दौरान, आईएमसी इंटरनेशनल बिजनेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश जोशी ने 'मेक इन इंडिया' पहल की सफलता गाथा रेखांकित की, जहां भारत सबसे पसंदीदा विनिर्माण हबों में से एक बन गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत का स्मार्टफोन निर्यात शून्य से बढ़कर ६०,००० करोड़ रुपये हो गया है और इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, वस्त्र के निर्माण और सौर विनिर्माण के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने रक्षा, अंतरिक्ष, हाइड्रोजन ऊर्जा और फिनटेक जैसे क्षेत्रें में उल्लेखनीय प्रगति की है।

आईएमसी के अध्यक्ष अनंत सिंघानिया ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि जीडीपी के हिसाब से भारत अब विश्व का ५वां सबसे बड़ा देश है जो २०१४ के बाद से १० स्थान ऊपर है। उन्होंने डिजिटल सेवाओं द्वारा आम भारतीयों को उनकी इलेक्ट्रॉनिक पहचान से जोड़ने के लिए सरकार की पहलों को रेखांकित किया जिसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी की लागत कम हो गई है। इसने और भारत सरकार द्वारा बनाए गए अनुकूल इकोसिस्टम ने भारत में स्टार्टअप परिदृश्य को बदल दिया है, जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन गया है। उन्होंने यह भी दर्ज किया।

आज भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है-पीएम मोदी

साभारः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दीन दयाल सभागार, झाँसी से केन्द्रीय राज्यमंत्री (एमएसएमई) भानु प्रताप सिंह वर्मा, सांसद अनुराग शर्मा, विधायक रवि शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, झाँसी आशुतोष की उपस्थिति में राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया। दिनांकः १३.०४.२०२३ को उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त कर्मियों को लगभग ७१,००० नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने गए नवनियुक्त कर्मियों को भारत सरकार के तहत ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, वरिष्ठ वाणिज्यिक लिपिक सह टिकट लिपिक, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, कनिष्ठ लेखापाल, डाक सहायक, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स सहायक, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/ सुपरवाइजर, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नर्स, परिवीक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस और अन्य जैसे पदों पर कार्य करने के लिए शामिल किया जाएगा। नवनियुक्त कर्मियों को 'कर्मयोगी प्रारंभ' के माध्यम से स्वयं को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्त कर्मियों के लिए एक ऑनलाइन उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने बैसाखी के शुभ अवसर पर देश को बधाई दी। उन्होंने नियुक्ति पत्र मिलने पर अभ्यर्थियों व उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। नियुक्ति पत्र पाने वाले लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब जबकि देश २०४७ तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है, यह देश के विकास में योगदान देने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा, "आज आप एक सरकारी कर्मचारी के रूप में अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान, आपको उन बातों को हमेशा याद रखना चाहिए जिन्हें आप एक आम नागरिक के रूप में महसूस किया करते थे।" नवनियुक्त अभ्यर्थियों की सरकार से होने वाली अपेक्षाओं को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करें। उन्होंने कहा, "आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने काम के माध्यम से आदमी के जीवन को किसी न किसी तरीके से प्रभावित करेगा।" प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि काम पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने और आम आदमी के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों से अपनी सीखने की प्रक्रिया को नहीं रोकने का आग्रह किया और कहा कि कुछ नया जानने या सीखने की प्रकृति कार्य और व्यक्तित्व दोनों में परिलक्षित होती है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 01037/01038 पुणे-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

पुणे से : गाड़ी संख्या 01037, प्रत्येक बुधवार, दिनांक 03.05.2023 से 14.06.2023 को।

कानपुर सेंट्रल से : गाड़ी संख्या 01038, प्रत्येक गुरूवार, दिनांक 04.05.2023 से 15.06.2023 को।

गाडी संरचना - सामान्य श्रेणी- 05, स्लीपर श्रेणी- 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02, एवं एसएलआर/डी- 02

गाड़ी संख्या - 01037 पुणे-कानपुर सेंट्रल		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 01038 कानपुर सेंट्रल-पुणे	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	06:35	पुणे	12:05	----
07:38	07:40	दौंड कॉर्ड लाइन	10:27	10:30
08:52	08:55	अहमदनगर	08:17	08:20
09:43	09:45	बेलापुर	06:40	06:42
11:18	11:20	कोपरगांव	06:18	06:20
13:10	13:15	मनमाड	05:10	05:15
15:55	16:00	भुसावल	01:40	01:45
18:02	18:05	खंडवा	23:30	23:33
21:00	21:05	इटारसी	20:20	20:25
22:50	22:55	रानी कमलापति	18:40	18:45
01:25	01:27	बीना	16:15	16:17
03:25	03:30	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	13:25	13:30
04:48	04:50	ऊरई	10:25	10:27
07:10	----	कानपुर सेंट्रल	----	08:50

गाड़ी संख्या 03225/03226 दानापुर-सिकंदराबाद साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

दानापुर से : गाड़ी संख्या 03225, प्रत्येक गुरूवार, दिनांक 04.05.2023 से 29.06.2023 को।

सिकंदराबाद से : गाड़ी संख्या 03226, प्रत्येक रविवार, दिनांक 07.05.2023 से 02.07.2023 को।

गाडी संरचना - सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01, एवं एसएलआर/डी- 02

गाड़ी संख्या - 03225 दानापुर-सिकंदराबाद		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 03226 सिकंदराबाद-दानापुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	20:50	दानापुर	19:00	----
03:20	03:25	प्रयागराज छिवकी	11:40	11:45
05:50	05:52	मानिकपुर	09:20	09:22
04:40	----	सिकंदराबाद	----	10:00

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad. indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 657/23 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

प्रधानमंत्री द्वारा देश की आम जनता से जुड़ने की अनूठी पहल है-मन की बात

साभारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित रेडियो कार्यक्रम मन की बात के १००वें एपिसोड को छात्र-छात्राओं तथा आमजन तक पहुंचाने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रलय भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज द्वारा आज सरस्वती विद्या मंदिर विनोवा नगर नैनी में मन की बात रेडियो प्रसारण संगोष्ठी व्याख्यान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने मन से मन की बात रेडियो प्रसारण को सुना और सराहा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थिति इंडियन नेवी के पूर्व मैनेजर बृजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि मन की बात प्रधानमंत्री द्वारा देश की आम जनता से जुड़ने की अनूठी पहल है। उन्होंने कहा कि कोई देश तभी उन्नति कर सकता है जब वहां की जनता अपनी बात देश के मुखिया तक और देश का मुखिया अपनी बात जनता तक आसानी से पहुंचा पाये। मन की बात कार्यक्रम इस दिशा में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब मन की बात कार्यक्रम में इतने सरल शब्दो में बोलते हैं कि जनता पर उसका प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय संचार ब्यूरो प्रयागराज के उप निदेशक आरिफ हुसैन रिजवी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन की बात प्रधानमंत्री द्वारा देश को सम्बोधित कार्यक्रम का नाम है जिसका पहला प्रसारण ३ अक्टूबर २०१४ को किया गया था। नेहरू युवा केन्द्र के स्वयं सेवक निर्मलकांत पाण्डेय ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम आज बहुत ही लोकप्रिय बन गया है। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित इस कार्यक्रम के लगभग २३ करोड़ श्रोता हैं। कार्यक्रम को २२ भारतीय भाषाओं २६ बोलियों और ११ विदेशी भाषाओं में आमजन तक पहुंचाया जाता है।कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय संचार ब्यूरो के वरिष्ठ सहायक राम मूरत द्वारा मन की बात पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संचालित की गयी। प्रतियोगिता के विजेता राजेश कुमार वर्मा खुशी गुप्ता पूजा पाल अमित कुमार अनुराग त्रिपाठी सोम पाण्डेय वर्षिता कुमारी प्रांजल मिश्र माधव सिंह व अलंकृता वर्मा को उप निदेशक व अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सना बानो रंजना मिश्रा रविन्द्र कुमार पटेल शिल्पा निषाद प्रमोद कुमार पाण्डेय अतुल गुप्ता अर्पित अग्रहरि आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राम मूरत द्वारा किया गया।

विश्व प्रसिद्ध आस्था के केंद्र खाटूश्याम जी तक अब होगी सीधी रेल कनेक्टिविटी

साभार। रेलवे द्वारा रींगस के समीप स्थित विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र खाटूश्याम जी को सीधे रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए FLS करने की मंजूरी प्रदान की गई है। खाटूश्याम जी के दर्शन हेतु प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु विभिन्न माध्यमों जैसे रेल, रोड तथा पैदल मार्ग से दर्शन के लिए आते हैं। प्रतिदिन करीब ३०,००० श्रद्धालु आम दिन दर्शनार्थ आते हैं । शुक्रवार शनिवार व रविवार को ४ जव ५ लाख श्रद्धालु आते हैं। एकादसी के समय १० लाख श्रद्धालु मार्च मेला जो १५ दिन का होता है में ३०स लाख से ४० ४० लाख श्रद्धालु आते हैं। यह मंदिर सबसे जायदा श्रद्धालु आने वाले भारतीय मंदिरों में एक है। रेल से आने वाले श्रद्धालु रींगस तक रेल से आते हैं उसके पश्चात वह विभिन्न साधनों से खाटू तक पहुंचते हैं। रींगस से खाटू तक का सफर सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे ने सांस्कृतिक धरोहर व धार्मिक आस्था के केंद्रों को जोड़ने की योजना के तहत रींगस से खाटूश्यामजी तक नई रेल लाइन के सर्वे को मंजूरी प्रदान की है।

सर्वे का काम शीघ्र ही पूरा करके इस नई रेल लाइन के काम को स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द खाटूश्यामजी तक रेल सुविधा प्राप्त हो सके। रेलवे द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी के मिशन विरासत और विकास के तहत धार्मिक स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

देश का समग्र विकास तभी संभव जब इसके नागरिक हों स्वस्थ- राजनाथ सिंह

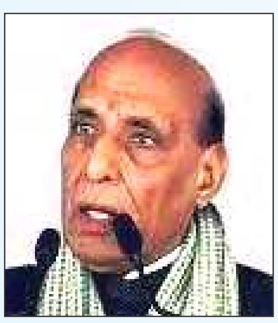

पसूका/नई दिल्लीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी जनसंख्या से मिलने वाले लाभ को सुनिश्चित करने के लिए लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्षेत्रों सहित व्यापक स्वास्थ्य की आवश्यकता पर बल दिया। २१ अप्रैल, २०२३ को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) के ६३वें स्थापना दिवस पर अपने वर्चुअल संबोधन में उन्होंने कहा कि देश के मजबूत और युवा मानव संसाधनों का सही ढंग से पोषण किया जाना चाहिए ताकि देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में उनकी ताकत का लाभ उठाया जा सके। उन्होंने भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के विकास में योगदान के साथ-साथ प्रासंगिक स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण और पूरे देश में ६ एम्स की स्थापना के लिए एनएएमएस की सराहना की। किसी भी राष्ट्र के विकास में स्वास्थ्य को एक प्रमुख जरूरत के रूप में रेखांकित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि देश का समग्र विकास तभी संभव है जब इसके नागरिक स्वस्थ हों। स्वस्थ लोग बेहतर तरीके से देश की प्रगति के लिए काम कर पाएंगे और इसीलिए स्वास्थ्य क्षेत्र हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि ड क्टरों और चिकित्सकों का आदर और सम्मान किया जाता है। स्वामी विवेकानंद के एक वक्तव्य का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गुरु को डॉक्टर की तरह होना चाहिए जो अपने शिष्य और उसके स्वभाव को समझ सके और शिष्य को वह ज्ञान प्रदान कर सके जो उसके लिए सबसे उपयुक्त हो। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और एक गुरु के जरिए व्यक्ति ईश्वर के दर्शन कर सकता है।सभी के लिए स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध करते हुए, राजनाथ सिंह ने चिकित्सा बिरादरी से सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के अनुसंधान पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान हम सभी ने महसूस किया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान कितना महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए किसी भी रिसर्च का लाभ न सिर्फ जल्दी मिलता है, बल्कि उससे हम अपने देश के साथ-साथ दुनिया के कई देशों की मदद कर सकते हैं। कोविड के दौरान भी हमने देखा कि कैसे भारतीय वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं द्वारा बनाए गए टीकों ने हमें ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को फायदा पहुंचाया। राजनाथ सिंह ने स्वास्थ्य के व्यापक पहलुओं के महत्व के बारे में विस्तार से बताया, जो बीमारी-मुक्त भारत से आगे बढ़कर स्वस्थ भारत, मजबूत भारत के विजन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, षविश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, अच्छे स्वास्थ्य में एक व्यक्ति की संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक भलाई शामिल है। अर्थात स्वास्थ्य का अर्थ केवल यह नहीं है कि आपको कोई रोग नहीं है, स्वास्थ्य इससे कहीं अधिक व्यापक अवधारणा है। इसमें स्वस्थ जीवन शैली, शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण शामिल है। रक्षा मंत्री ने सामाजिक कल्याण के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसे उन्होंने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के अलावा स्वास्थ्य के तीसरे आयाम के रूप में देखा। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सामाजिक कल्याण चुनौतियों का सामना कर रहा है क्योंकि लोग काम की तलाश में अपने मूल स्थानों से शहरी केंद्रों और अन्य स्थानों पर जाते हैं। अपनी जड़ों से कटे हुए, वे अकेला और असुरक्षित महसूस करते हैं जो उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके अलावा, न्यूक्लियर और सब-न्यूक्लियर परिवार भी तेजी से बढ़ रहे हैं और अब तो सिंगल पेरेंटिंग का भी चलन बढ़ रहा है।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/ अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040